आर्थिक समीक्षा : 2019-20

- भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने **31 जनवरी, 2020** को संसद में आर्थिक समीक्षा 2019-20 प्रस्तुत की।
- भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (CEA) **कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन** ने आर्थिक सर्वेक्षण के दस्तावेज तैयार किये है।
- मोदी सरकार ने 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को **5 ट्रिलियन डॉलर** बनाने का लक्ष्य रखा है।
- **बाजारों को सक्षम करना, व्यापार-समर्थक नीतियों को बढ़ावा देना और अर्थव्यवस्था में विश्वास को मजबूत करना** आर्थिक समीक्षा 2019-20 की थीम है।

➢ अर्थव्यवस्था

- अप्रैल, 2019 में मुद्रास्फीति का **3.2%** से घटकर दिसम्बर, 2019 में **2.6%** हो जाना, अर्थव्यवस्था में कमजोर माँग के दबाव को दर्शाता है।
- अप्रैल-नवम्बर, 2019 के दौरान केन्द्र के लिए GST संग्रह **4.1%** बढ़ा।
- सितम्बर, 2019 के अन्त में बाहरी ऋण GDP के **20.1%** पर कम रहता है।
- सकल GST मासिक संग्रह रुपये के निशान को पार कर गया है। यह वर्ष 2019-20 (दिसम्बर, 2019 तक) के दौरान कुल **पाँच बार** के लिए रु॰ 1 लाख करोड़ है।

➢ उद्योग

- औद्योगिक उत्पादन वर्ष 2018-19 के दौरान **5%** की तुलना में वर्ष 2019-20 के लिए **0.6%** की वृद्धि दर्ज की गई।
- वर्ष 2019 के दौरान 4.9% की तुलना में 2019-20 (अप्रैल-नवम्बर) के दौरान विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि **0.9%** थी।
- राष्ट्रीय आय में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों का योगदान वर्ष 2019-20 में **16.5%** घटकर वर्ष 2014-15 में **18.5%** हो गया।
- उर्वरक क्षेत्र ने वर्ष 2018-19 (अप्रैल-नवम्बर) के दौरान (-) 1.3% की तुलना में 2019-20 (अप्रैल-नवम्बर) के दौरान **4.0%** की वृद्धि प्राप्त की।
- वर्ष 2019 (अप्रैल-नवम्बर) के दौरान 3.6% की तुलना में 2019-20 (अप्रैल-नवम्बर) के दौरान इस्पात क्षेत्र ने **5.2%** की वृद्धि हासिल की।

➢ थालीनॉमिक्स

- आर्थिक सर्वेक्षण 2020 ने **'थालीनॉमिक्स'** नामक एक नए वाक्यांश के बारे में बात की, जो भारत में भोजन की एक प्लेट की अर्थव्यवस्था है।
- यह कहता है कि भारत में खाद्य प्लेटें अब और अधिक सस्ती होती जा रही हैं, जिससे आम आदमी के **कल्याण में सुधार** का संकेत मिलता है।
- शाहाकारी थाली की वहन क्षमता में **29%** का सुधार हुआ, जबकि मांसाहार थालियों के लिए वर्ष 2006-07 से 2019-20 तक **18%** है।
- थाली मूल्य मॉडरेशन से प्रति वर्ष वर्ष **रु॰ 10887** का लाभ हुआ।

➢ नौकरियाँ और फर्म निर्माण

- सर्वेक्षण में दावा किया गया कि नियमित वेतन/वेतनभोगी कर्मचारियों के बीच वर्ष 2011-12 और वर्ष 2017-18 के बीच ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लगभग **2.62 करोड़** नई नौकरियाँ पैदा हुई।
- वर्ष 2011-12 के मुकाबले वर्ष 2017-18 में महिलाओं का नियमित रोजगार **8%** बढ़ा है।
- वर्ष 2018 में लगभग **1.24 लाख** नई फर्मों का निर्माण हुआ। वर्ष 2014 में लगभग 70000 में से 80% की वृद्धि हुई।

➢ भारत में व्यापार सुगमता

- वर्ष 2019 में विश्व बैंक की 'डूइंग बिजनेस रैंकिंग' में वर्ष 2014 में 142 से 79 पदों की छलांग लगाकर **63वाँ स्थान** है।
- भारत अभी भी कारोबार शुरू करने में **आसानी, रजिस्टरिंग प्रॉपर्टी, पेइंग टैक्स और एनफोर्समेण्ट कॉण्ट्रेक्ट** जैसे मापदण्डों में पीछे है।

➢ सामाजिक अवसंरचना, रोजगार और मानव विकास

- केन्द्र और राज्यों द्वारा सामाजिक सेवाओं (स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य) पर GDP के अनुपात के रूप में खर्च 2014-15 में **6.2%** से बढ़कर 2019-20 में **7.7%** हो गया।
- **मानव विकास सूचकांक** में भारत की रैंकिंग वर्ष 2018 में 129 से बढ़कर वर्ष 2019 में **130** हो गई।
- मिशन इन्द्रधनुष ने देशभर में 680 जिलों के **3.39 करोड़** बच्चों और **87.18 लाख** गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया।

आर्थिक समीक्षा : प्रमुख बिन्दु

- वित्त वर्ष 2020-21 के लिए जीडीपी विकास दर 6 से 6.5% आंकी गई है जो वित्त वर्ष 2019-20 में 5.0% अनुमानित है।
- भारत को वर्ष 2025 तक $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बुनियादी ढांचे पर लगभग **$1.4 ट्रिलियन** खर्च करने की आवश्यकता।
- दिसम्बर 2019 तक सकल जीएसटी मासिक संग्रह ने **रु॰ 1 लाख करोड़** के आँकड़े को **पांच बार** पार किया।
- भारत नई कंपनियों के गठन के मामले में **तीसरे पायदान** पर है, वर्ष 2014 में 70000 की तुलना में वर्ष 2018 में **124000** नई कंपनियों का गठन हुआ।
- समीक्षा में **आर्थिक स्वतंत्रता** और **धन सृजन** को बढ़ाने में सरकार के हस्तक्षेप को युक्तिसंगत बनाने का सुझाव।
- देश भर में **आयुष्मान भारत** और **मिशन इन्द्रधनुष** के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में सुधार हुआ।
- थॉलीनॉमिक्स : 2006-07 से 2019-20 तक शाकाहारी थाली को खरीदने की कीमत में **29%** तथा मांसाहारी थाली को खरीदने की कीमत में **18%** की कमी आई।

Scanned by CamScanner